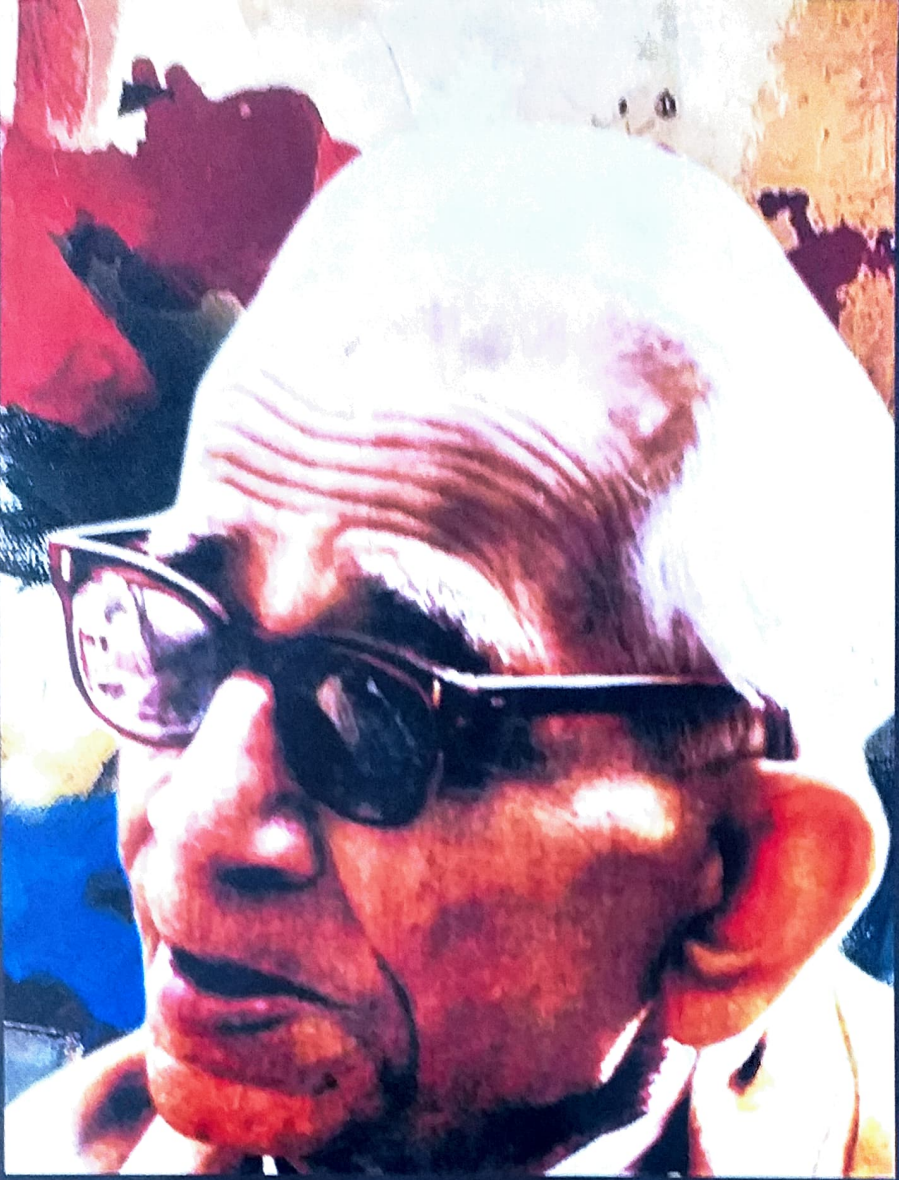




जैनेंद्र कुमार

विविध वातायनों में

प्रो. चक्रधर त्रिपाठी
डॉ. मनोज कुमार सिंह

ISBN : 978-93-92910-19-7

© : सम्पादक

प्रकाशक : पंकज पुस्तक मंदिर
77/1, ईस्ट आजाद नगर
दिल्ली-110051

संस्करण : 2022

मूल्य : ₹ 595.00

अक्षर संयोजक : राजेश लेज़र प्रिंट्स
शाहदरा, दिल्ली-110032

प्रिंटर्स : बी.के. ऑफसेट
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032

JAINENDRA KUMAR : VIVIDH VATAYANON MEIN
Ed. by Prof. Chakradhar Tripathi
Dr. Manoj Kumar Singh

अनुक्रम

1. जैनेन्द्र कुमार और रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियों में स्त्री-चिन्तन : एक तुलनात्मक निष्कर्ष	प्रो. चक्रधर त्रिपाठी	9
2. प्रेमचन्द की नजर में जैनेन्द्र	प्रो. दामोदर मिश्र	18
3. जयवर्धन : यथार्थ की एक स्वप्न-कथा	डॉ. जगदीश भगत	27
4. 'अपना-अपना भाग्य' कहानी : भाग्यवाद बनाम यथार्थवाद	डॉ. प्रमोद कुमार प्रसाद	39
5. जैनेन्द्र कुमार की कहानियों में मनोभावों का विश्लेषण	डॉ. प्रदीप कुमार	47
6. स्त्री के अन्तर्मन का द्वन्द्व और त्यागपत्र	डॉ. ऋषि कुमार	56
7. जैनेन्द्र के उपन्यासों में प्रतिबिम्बित स्त्री-जीवन का अन्तर्द्वन्द्व और आत्मपीड़ा	डॉ. शशि कुमार शर्मा	64
8. मुक्तिबोध : व्यक्तित्व के बिखराव की कथा	डॉ. श्रीकान्त द्विवेदी	75
9. जैनेन्द्र की कहानियों में स्त्री-पुरुष सम्बन्धों का सन्दर्भ	सुश्री प्रतिमा प्रसाद	82
10. पारिस्थितिकी विवेचन के आलोक में जैनेन्द्र की कहानियाँ	डॉ. प्रतिभा प्रसाद	95
11. जैनेन्द्र के उपन्यासों में स्त्री-पात्र	डॉ. संजय पासवान	104
12. जैनेन्द्र की स्त्री-दृष्टि : नयी राह का अन्वेषण	डॉ. विजय रवानी	114

और
अस्मिता
मूलक
विमर्श

किरण तिवारी

हिंदी साहित्य और अस्मितामूलक विमर्श

© संपादक : किरण तिवारी

प्रकाशक :

आनन्द प्रकाशन

176/178, रवीन्द्र सरणी

कोलकाता - 700007

ISBN : 978-93-93378-00-2

प्रथम संस्करण : 2022

मूल्य : 599.00

मुद्रक :

रुचि प्रिंटर्स

कोलकाता - 7

रणेद्र के रचना संसार में आदिवासी जीवन	140
डॉ. ओम प्रकाश सिंह	
समकालीन हिन्दी उपन्यासों में स्त्री-मुक्ति के सवाल	145
डॉ. रीना देवी चन्देल	
स्त्री-विमर्श और महिला कथा साहित्य	156
डॉ. सदीप रणभिरकर	
स्त्री विमर्श - जैनेन्द्र और यशपाल के उपन्यासों के नारी पात्र	165
डॉ. संजय पासवान	
किसानी अस्मिता और प्रेमचंद की कहानियाँ	172
डॉ. हाराधन कोईरी	
हिन्दी साहित्य में किन्नर विमर्श	180
डॉ. प्रशांत गौरव	
अस्मिता की तलाश और हाशिए का साहित्य	186
डॉ. अश्विनी कुमार पाण्डेय	
हिंदी साहित्य के इतिहास में पूरेपन की तलाश...	191
डॉ. दीनानाथ मौर्य	
अस्मिता मूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	199
डॉ. आलोक प्रभात	
21वीं सदी के उपन्यास और स्त्री विमर्श	206
डॉ. अनिता प्रजापत	
हिन्दी साहित्य और पर्यावरण विमर्श	212
बृहस्पतु सिंह विशाल	
मैत्रेयी पुष्पा और ग्रामीण स्त्री अस्मिता के प्रश्न	220
डॉ. ज्योति गौतम	
सहानुभूति बनाम स्वानुभूति : दलित विमर्श के सन्दर्भ में	226
डॉ. वर्षा शालिनी कुल्लू	
स्त्री का, स्त्री के लिए, स्त्री द्वारा विमर्श	230
डॉ. मोक्षदा जौहरी	
सशक्त महिला - सशक्त समाज	236
डॉ. निधि शर्मा	
प्रेम जनमेजय के व्यंग्य निबंधों का नारीवादी विश्लेषण	242
डॉ. तृप्ति भावसार	

संजीव का कहानी संसार : एक अन्तर्यात्रा

रविशंकर सिंह

संपादक

डॉ. संजय पासवान



1987 B.A. 1 - 2010 B.A. 1 - 2010 B.A. 1

प्रकाशक :

अधिकरण प्रकाशन

मकान संख्या-133, गली नम्बर-14, प्रथम तल,
बी-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-110094

मोबाईल : 9716927587

ईमेल : adhikaranprakashan@gmail.com

वर्तमान पता :

मकान संख्या - 19, भूतल, खसरा संख्या - 65,
गली नम्बर - 1, निकट बालाजी प्रॉपर्टी ऑफिस,
कौशलपुरी, चौहान पट्टी, दिल्ली - 110094

प्रथम संस्करण	:	2022
आवरण चित्र	:	शेखर
टाईप सेटिंग	:	मनीष कुमार सिन्हा
प्रिंटिंग	:	जी. एस. ऑफसेट, दिल्ली

© रविशंकर सिंह

ISBN : 978-93-91570-32-3

मूल्य : 595 रुपये

संजीव का कहानी संसार : एक अन्तर्यात्रा - रविशंकर सिंह,
संपादक : डॉ. संजय पासवान

Sanjeev Ka Kahani Sansar : Ek Antaryatra - Ravishankar Singh
edited by Dr. Sanjay Paswan

राजेन्द्र यादव की कहानियों में संवेदना और शिल्प

डॉ. संजय पासवान



ISO 9001 : 2015 प्रमाणित प्रकाशक

प्रकाशक :

अधिकरण प्रकाशन

मकान संख्या-133, गली नम्बर-14, प्रथम तल,

बी-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-110094

मोबाईल : 9716927587

ईमेल : adhikaranprakashan@gmail.com

वर्तमान पता :

मकान संख्या - 19, भूतल, खसरा संख्या - 65,

गली नम्बर - 1, निकट बालाजी प्रॉपर्टी ऑफिस,

कौशलपुरी, चौहान पट्टी, दिल्ली - 110094

प्रथम संस्करण	:	2022
आवरण चित्र	:	दिलीप कुमार शर्मा 'अज्ञात'
टाईप सेटिंग	:	मनीष कुमार सिन्हा
प्रिंटिंग	:	जी. एस. ऑफसेट, दिल्ली

© डॉ. संजय पासवान

ISBN : 978-93-91570-55-2

मूल्य : 575 रुपये

राजेन्द्र यादव की कहानियों में संवेदना और शिल्प (आलोचना) - डॉ.
संजय पासवान

Rajender Yadav Ki Kahaniyao Mai Sambedna Aur Shilp (Crticisim) by Dr.
Sanjay Paswan